Literacy for a Billion

Movie: Haqeeqat 1964
Year: 1964

Song: Main Yeh Sochakar
Lyricist: Kaifi Azmi

मैं ये सोचकर उसके दर से उठा था
कि ओ रोक लेगी मना लेगी मुझको
हवाओं में लहराता आता था दामन
के दामन पकड़ के बिठा लेगी मुझको
क़दम ऐसे अंदाज से उठ रहे थे
के आवाज देकर बुला लेगी मुझको
मगर उसने रोका
न उसने मनाया
न दामन ही पकड़ा
न मुझको बिठाया
न आवाज़ ही दी
न वापस बुलाया
मैं आहिस्ता आहिस्ता बढ़ता ही आया
यहाँ तक के उससे जुदा हो गया मैं
जुदा हो गया मैं
यहाँ तक के उससे जुदा हो गया मैं
जुदा हो गया मैं
यहाँ तक के उससे जुदा हो गया मैं
जुदा हो गया मैं
यहाँ तक के उससे जुदा हो गया मैं
जुदा हो गया मैं

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.